(3)

Page No.:
Date: / /

13/7/19

2) फुटकर व्यापार सेवाएँ – व्यापार एवं उपभोक्ताओं को वस्तुओं का प्रत्यक्ष विक्रय किया जाता है। इस व्यापार में उपभोक्ताओं की वस्तुओं का प्रत्यक्ष विक्रय किया जाता है। अधिकांश फुटकर व्यापार केवल विक्रय के नियत प्रतिष्ठानों और भण्डारों में सम्पन्न होता है। फेरी, रेहड़ी, ट्रक, द्वार से द्वार, डाक आदेश, आदि फुटकर बिक्री के भण्डारण रहित उदाहरण हैं।

3) थोक व्यापार सेवाएँ – सौदागरों तथा पूर्तिकारों द्वारा बड़े पैमाने पर किये गये व्यापार को थोक व्यापार कहते हैं। यह फुटकर व्यापार से सम्बन्धित नहीं होते, सामान की शृंखला भण्डारों, सहित बड़े भण्डार निर्माताओं से खरीदा जाता है। थोक विक्रेता फुटकर व्यापारी को उधार देते हैं। फुटकर विक्रेता अधिकतर थोक विक्रेता की पूँजी पर अपने कार्य करते हैं।

4) परिवहन – विभिन्न प्रकार की वस्तुओं को किसी एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए परिवहन के साधनों की आवश्यकता पड़ती है, जिनमें विभिन्न लोग अपनी सेवाओं से व्यक्तियों को लाभान्वित करते हैं। वर्तमान समय में पूरा विश्व सिमटकर, बहुत छोटे ग्राम के रूप में हो रहा है, जिसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका तीव्र एवं सूक्ष्म परिवहन के साधनों की ही है। परिवहन की माँग जनसंख्या के आकार पर निर्भर करती है। जनसंख्या जितनी अधिक होती है उतनी ही अधिक परिवहन सेवाओं

17/7/19

की आवश्यकता होती है।

Q3. पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारकों को लिखें।

Write the factor effecting of tourism.

Ans मनोरंजन अथवा प्रमोद के लिए की गई यात्रा को पर्यटन कहते हैं।

मार्ग और परिवहन दो ऐसे महत्त्वपूर्ण कारक हैं, जो पर्यटन को प्रभावित करते हैं।

(क) माँग – अन्य आर्थिक क्रियाओं की भाँति पर्यटन के विकास के लिए भी माँग की आवश्यकता होती है। पिछली एक शताब्दी में जीवन स्तर में सुधार तथा फुरसत के समय में वृद्धि होने से पर्यटन के लिए माँग में बहुत वृद्धि हुई है।

(ख) परिवहन – परिवहन पर्यटन के सुधार के लिए आधारभूत कारक है। परिवहन में उन्नति होने से पुराने पर्यटन स्थल अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं और कई नए पर्यटन स्थल विकसित हो जाते हैं। अच्छी सड़कों पर कार में यात्रा करना काफी सुविधाजनक होता है। पिछले कुछ वर्षों में वायु परिवहन अधिक लोकप्रिय हुआ है। वायु परिवहन द्वारा शीघ्र ही विश्व के किसी भी कोने तक पहुँचा जा सकता है। पैकेज अवकाश के शुरू हो जाने से पर्यटन की लागत कम हुई है।

REDMI NOTE 8
48MP QUAD CAMERA
Scanned with CamScanner

17/7/19

Q4. चतुर्थक क्रियाकलाप किसे कहते हैं?

What is Quarternary Activities?

Ans बहुत से ऐसे विशिष्ट और जटिल क्रियाकलाप हैं जिनका सम्बन्ध ज्ञान से होता है जैसे - शिक्षा, सूचना, शोध, और विकास से है। चतुर्थक शब्द से तात्पर्य उच्च बौद्धिक व्यवसायों से है।

Q5- पंचम क्रियाकलाप क्या है?

Ans ये उच्चतम स्तर के निर्णय लेने सम्बन्धी मानवीय क्रियाएँ हैं। इसके अन्तर्गत निर्णय लेने वाले व्यक्ति तथा नीति बनाने वाले व्यक्ति सम्मिलित किये जाते हैं। पंचम क्रियाओं का सम्बन्ध उन सेवाओं से होता है, जो नवीन तथा वर्तमान विचारों की रचना उनके पुनर्गठन तथा व्याख्या, आँकड़ो की व्याख्या एवं कई प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करती हैं। इन्हें "स्वर्ण कॉलर" व्यवसाय कहा जाता है।

Page No. :
Date : / /

13/7/19

1) व्यापार एवं वाणिज्य – जब किसी कमी वाले क्षेत्र में वस्तुएँ पहुँचाकर वहाँ क्रय-विक्रय का कार्य किया जाता है, तो वह व्यापार कहलाता है। इसका उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को इन वस्तुओं को उपलब्ध कराना तथा व्यापारियों को लाभ कमाना है। ऐसे क्षेत्र जहाँ यह कार्य किया जाता है, व्यापारिक केन्द्र कहलाते हैं। ये व्यापारिक केन्द्र ग्रामीण एवं नगरीय दोनों होते हैं। व्यापारिक केन्द्र निम्नलिखित प्रकार के होते हैं –

a) ग्रामीण विपणन केन्द्र – ये निकटवर्ती ग्रामीण बस्तियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। यह अल्पविकसित व्यापार के केन्द्र हैं। यहाँ व्यक्तिगत एवं या व्यावसायिक सेवाएँ सुविकसित नहीं होती। ये स्थानीय स्तर पर संग्रहण व वितरण के रूप में काम करते हैं तथा ग्रामीण लोगों की सेवा करते हैं।

b) आवधिक बाजार – ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित बाजार न होने के कारण कालिक अन्तरालों पर स्थानिक आवधिक बाजार लगाये जाते हैं। ये साप्ताहिक बाजार होते हैं, जो आस-पास के ग्रामीण लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। ये बाजार निश्चित तिथि अथवा दिन पर आयोजित होते हैं।

c) नगरीय बाजार केन्द्र – वह बाजार नगरों में स्थित होते हैं तथा नगरवासियों की सेवा करते हैं। ~~अन~~ इनमें साधारण वस्तुओं के अतिरिक्त विशिष्ट वस्तुएँ भी होती हैं।

EDMI NOTE 8
8MP QUAD CAMERA
Scanned with CamScanner

REDMI NOTE 8
48MP QUAD CAMERA

Page No. :
Date : / /

3/7/19

Ch-8 तृतीयक आर्थिक क्रियायें
(Tertiary Economic Activities)

Q1. तृतीयक क्रियाकलाप क्या है?

Ans तृतीयक क्रियाओं के अन्तर्गत वे सभी व्यवसाय सम्मिलित किए जाते हैं, जो प्राथमिक अथवा ~~गौण~~ गौण (द्वितीयक) उत्पादन की वस्तुओं को उपभोक्ता एवं उद्योगपतियों तक पहुँचाने से सम्बन्धित होते हैं। तृतीयक क्रियाएँ कहलाती हैं; ~~परिवहन जैसे~~ परिवहन, व्यापार, बैंकिंग की सेवाएँ जैसे - व्यापारी (Merchants) दलाल (Brokers), पूँजीपति (Capitalists) आदि को सम्मिलित किया जाता है।

Q2. तृतीयक क्रियाकलापों को कितने भागों में बाँटा गया है?

Ans 1) व्यापार एवं वाणिज्य
   a) ग्रामीण विपणन केन्द्र
   b) आवधिक बाजार
   c) नगरीय बाजार केन्द्र

2) फुटकर व्यापार सेवाएँ

3) थोक व्यापार सेवाएँ

4) परिवहन

Scanned with CamScanner